

# दूदू कलेक्टर के ऑफिस से लेपटॉप व कई दस्तावेज जब्त किए ए.सी.बी.ने

## दूदू जिला कलेक्टर व पटवारी द्वारा भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने का मामला

जयपुरा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी) की टीम ने भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने के मामले में शनिवार को दूदू जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस और तहसील से अहम सबूत जब्त किए हैं। वहीं इस बीच मामले में राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को एपीओ कर दिया है।

- राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को शनिवार देर रात एपीओ किया।
- एसीबी ने शुक्रवार देर रात को कलेक्टर और पटवारी हंसराज के सरकारी आवास और तहसील में तलाशी अभियान चलाया था।
- एसीबी की टीम ने कलेक्टर और पटवारी के मोबाइल फोन लेपटॉप व कंप्यूटर जब्त किए।

हिस्ट्री से भी बचा जा सके। लेकिन एसीबी को मालूम चल गया था कि व्हाट्स अप कॉल से यह सारा खेल खेला जा रहा है। इसलिए एसीबी कॉल रिकॉर्डिंग कर रही थी। एसीबी ने कलेक्टर का एक और पटवारी के दो मोबाइल बरामद कर लिए हैं। अब दोनों के मोबाइल से कई राज खुलेंगे। इसके बाद एसीबी दोनों को नोटिस जारी कर मुख्यालय में पूछताछ के लिए फिर बुला सकती है।

गौरतलब है कि एसीबी ने दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के यहां शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे छापेमारी की। आरोप है कि भू-रूपांतरण के बदले 25 लाख रुपये घूस मांगी गई थी।

### यह था मामला...

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डीआईजी डॉ. रवि ने बताया कि एसीबी को पीड़ित ने शिकायत दी कि दूदू में उसकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन है। इसके कुछ खसरे

तालाब-पाल क्षेत्र में होने के कारण कब्ज करवाए जाने की शिकायत कलेक्टर के पास की गई थी। उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज ने 25 लाख रुपये मांगे थे। पैसे के लिए परिवारी को परेशान किया जा रहा था। हालांकि पीड़ित ने पैसा नहीं होने का हवाला दिया तो 15 लाख रुपये देने के बदले कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था। एसीबी के सत्यापन के दौरान पीड़ित के साथ रिकॉर्ड भी भेजा गया था। जिसमें यह साबित हो गया कि दूदू कलेक्टर ढाका ने रिश्वत के करीब साढ़े सात लाख रुपये ढाक बंगला स्थित अपने आवास पर मांगा था। उन्होंने बताया कि पीसी एक्ट के तहत कलेक्टर और पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर छापेमारी की गई है। एसीबी ने कलेक्टर के ढाक बंगला स्थित आवास और तहसील कार्यालय दूदू में भी तलाशी ली।

# नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण रुचिकर बने : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि फैकल्टी डेवलपमेंट के अंतर्गत शिक्षण की बोझिलता को दूर करने के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में जो नवीनतम परिवर्तन हो रहे हैं, उनको सम्मिलित करते हुए नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण को प्रभावी किया जाए।



राज्यपाल कलराज मिश्र

■ नेशनल बोर्ड आफ एजामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

के रास्ते खुलते चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञानार्जन के साथ-साथ शिक्षा जनोपयोगी तभी बनेगी, जब युगोपसंर्भ को समावेश करते हुए उसमें नवाचारों को अपनाया जाए।

मिश्र शनिवार को महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में नेशनल बोर्ड आफ एजामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को पढ़ाना नहीं, उन्हें समय-संदर्भ से जोड़ते हुए शिक्षण को रुचिकर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखना और सीखाना सतत प्रक्रिया है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए यह प्रयास किया जाए कि शिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि संकाय और प्रभावी शिक्षक ही विद्यार्थियों को भविष्य की नई दिशाएं प्रदान कर सकता है।

मिश्र ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य तकनीक का समावेश करते हुए चिकित्सा प्रशासन, शोधकर्ता की भूमिका आदि से जुड़े कौशल विकसित करने की ओर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति के आलोक में भी फैकल्टी डेवलपमेंट को अद्यतन किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जिसमें नएपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अधिक हम अपनाएंगे उतना ही हर क्षेत्र में आगे बढ़ने

इससे पहले राज्यपाल ने उपस्थित जनों को संबोधित कर शिक्षा का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले नेशनल बोर्ड आफ एजामिनेशन इन मेडिकल साइंस अध्यक्ष डॉ. अभिजीत सेठ ने इस कार्यक्रम को उपदेयता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपाध्यक्ष डॉ. सी. मल्लिकार्जुन ने संकाय विकास के लिए राज्यावेश किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया। उपाध्यक्ष डॉ. शिवकांत मिश्र ने सभी का आभार जताया।

## नेट-थियेट पर भजनों की स्वर गंगा बही



जयपुर, (का.सं.)। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज भजन की स्वर गंगा कार्यक्रम में भजन कलाकार गौरव मट्ट ने अपनी मधुर वाणी से भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि की लोग भक्ति रस में हिलोरे लेने लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार गौरव ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत सुरदास के भजन प्रथु मेरे अवगुण चित्त ना धरो, समदर्शी प्रथु नाम तिलोरो,चाहो तो पार करो सुनाकर भजन की शुरुआत की। इसके बाद मीराबाई का भजन दरस बिना दुखन लागी नैन और फिर गुरुनानक की वाणी काहे रे बन खोजने जाई, सख निवासी

सदा अलेपा तोही सँगि समाई जैसे भजनों को बड़े ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया और अंत में तुम मेरी लाखों लाज हरि, तुम जानत सब अंतर्धामी, करनी केधु ना करी, सुनाकर श्रोताओं को भजनों की स्वर्गगं में डुबकी लगाई। इनके साथ सितार पर हरिहर शरण भट्ट और तबले पर विजय बानेत ने अरसदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषक आर डी अग्रवाल ने किया। संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनीज स्वामी एवं संगीत सागर गडवाल ने किया।

## अब तक 932 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री पकड़ी

### आचार संहिता लागू होने के बाद से राजस्थान में रिकॉर्ड जब्ती

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में 932.41 करोड़ रुपये कीमत की जित्तियां की हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निदेश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 834 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

- 4 जिलों में 40 करोड़ रुपये से अधिक, 9 जिलों में 30 करोड़ और 13 जिलों में 20-20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं, नकद राशि जब्त

मुख्यालय में 47.03, चुरू में 43.08 गंगानगर में 41.92, भीलवाड़ा में 40.11, जयपुर में 39.18, पाली में 39.10, डूंगरपुर में 38.53, दौसा में 36.75, उदयपुर में 36.25, बाड़मेर में 36.21, बूधनू में 34.74, बीकानेर में 32.97, चित्तौड़गढ़ में 32.44, अलवर में 29.78, टोंक में 29.50, प्रतापगढ़ में 29.43, नागौर में 27.96, हनुमानगढ़ : 25.32, बांसवाड़ा में 24.94, कोटा



सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को हरि ओम जन सेवा समिति राजस्थान द्वारा जीव दया सम्मान पत्र भेंट किया गया। यह सम्मान लघु उद्योग भारती सरना के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, सौर ऊर्जा वाले चिरंजी लाल कुमावत, पार्षद सुरेश जांगिड़ द्वारा प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य प्रशंसा के योग्य है। बेजुबान जानवरों व पक्षियों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य और धर्म का कार्य है। समिति द्वारा पिछले 7 सालों से प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों के लिए मां अन्नपूर्णा भंडारा भी चलाया जा रहा है।

# ए.आई. जरूरी, लेकिन फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी होते हैं : जस्टिस मिश्रा

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष में न्याय व्यवस्था में वैकल्पिक वाद निस्तारण व्यवस्था और तकनीक जरूरी है। तकनीक के चलते लोगों को भौगोलिक बाधाओं के बिना कम लागत में न्याय मिल रहा है। जस्टिस मिश्रा राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली को लेकर आयोजित समारोह की कड़ी में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज न्याय व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) जरूरी है, लेकिन सिर्फ एआई से न्याय नहीं मिल सकता, क्योंकि कई बार फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी दिए जाते हैं।



सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा ( बायें से तीसरे ) ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव ( बायें से चौथे ), सोलिसीटर जनरल तुषार मेहता ( बायें से पहले ), राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ( बायें से पांचवें ) और एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद ( दायें ) ने भी संबोधित किया।

- वैकल्पिक वाद निस्तारण व्यवस्था न्याय प्रणाली में गेम चेंजर की भूमिका निभाएगी : सी.जे.

अधिकतम सहायता ले सकते हैं, लेकिन साथ ही मानव दृष्टिकोण भी रखना पड़ेगा। इस मौके पर जस्टिस पंकज भंडारी ने कहा कि एडीआर मुकदमों के भार के नीचे दबी न्यायपालिका के भार को कम करते हैं। ऑनलाइन वाद निस्तारण से कम लागत में न्याय मिल रहा है। ई-कोर्ट से भी लोगों को न्याय मिल रहा है। हालांकि इसमें क्षेत्राधिकार जैसी कुछ समस्या भी रहती है। वहीं इससे जुड़े कुछ कानूनों में भी संशोधन करने की जरूरत है।

## परिवीक्षा काल में किए जे.ई.एन. के तबादले पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने परिवीक्षाकाल में चल रहे जेईएन के तबादला आदेश की क्रियान्वित पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार सहित पीएचईडी विभाग से जवाब देने को कहा है। अदालत ने पूछा है कि जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया।

- जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया : अदालत

## एकात्म मानव दर्शन पर होगी वार्ता

जयपुर। पं.दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक धानक्या में रविवार को एकात्म मानव दर्शन विषय पर वार्ता सत्र का आयोजन होगा। कार्यक्रम के संयोजक दुष्यंत कुमार ने बताया कि मानव जीवन की एकात्म दृष्टि के आधुनिक चिंतक और विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा दी गई "एकात्म मानव दर्शन" विषयक व्याख्यान माला को 60वें वर्ष प्रारम्भ हो रहा है। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल स्मारक की यात्रा एवं दर्शन हेतु एक ट्रिप आयोजित कर रहे हैं। इसमें डॉ. सुभाष कौशिक, शिक्षाविद और सार्थक संवाद के संयोजक देवेश बंसल के साथ "एकात्म मानव दर्शन" पर वार्ता-चर्चा सत्र भी आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन रविवार प्रातः 6 बजे से प्रारंभ होगा।

# गैंगस्टर रोहित गोदारा ने भाजपा नेता से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

## फोनकर्ता ने 7 दिन में रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। गैंगस्टर रोहित गोदारा द्वारा भाजपा नेता से 5 करोड़ रु. की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। फोनकर्ता ने वॉट्सएप कॉल कर रोहित गोदारा बताते हुए 7 दिन में पांच करोड़ रुपये देने की डिमांड रखी। उसने धमकी दी है कि अगर 7 दिन में पैसे नहीं दिए तो जान से मार देगा। गोदारा ने कहा कि पुलिस को भी रिकॉर्डिंग सुना देना, वो भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी। इस पर पीड़ित ने शिवदासपुर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि शिवदासपुर निवासी 36 वर्षीय भाजपा नेता ने मामला दर्ज करवाया कि भारतीय जनता पार्टी में पदाधिकारी होने के साथ उनका बिजनेस भी है। गुल्वार को वह ऑफिस में बैठकर

काम कर रहे थे। इस दौरान दोपहर उसके मोबाइल पर इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने धमकते हुए गोदारा का नाम लॉरेंस गैंग का गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया। बदमाश ने धमकी देकर कहा कि मैं जानता हूँ कि तु कितना बड़ा बिजनेसमैन है। अगर 7 दिन में 5 करोड़ रुपय नहीं दिए तो तु चाहे कहीं भी छुप जाना, तुझे हमसे कोई भी नहीं बचा सकता। बदमाश ने कहा कि पुलिस को भी यह रिकॉर्डिंग सुना देना। पुलिस को भी यह रिकॉर्डिंग सुना देना। पुलिस भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी। तेरे पास 7 दिन का समय है। पुलिस इंटरनेशनल मोबाइल नंबर के आधार पर धमकी देने वाले के बारे में पता लगाने के प्रयास कर रही है। ज्ञात रहे कि कुछ दिन पहले गैंगस्टर रोहित गोदारा ने जयपुर के बिजनेसमैन से

37 लाख रुपय मांगे थे। बिजनेसमैन को वॉट्सएप कॉल कर जान से मारने की धमकी देकर रुपयों की डिमांड की थी। इसके साथ ही अजमेर जेल में बंद गोगामेड़ी के हत्यारे ने भी बिजनेसमैन को कॉल कर धमकाया। पीड़ित बिजनेसमैन ने 14 अप्रैल को वैशाली नगर थाने में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया था। बिजनेसमैन को सबसे पहले 29 फरवरी को वॉट्सएप नंबर पर इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से कॉल आया। 11 मार्च को दोबारा इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। इसके बाद 16 मार्च और 6 अप्रैल को धमकी देकर रुपयों की मांग की गई। 12 अप्रैल को दलीप सिंह अपने साथी के साथ ऑफिस आ गया और धमकी देकर गया।

## घर में पड़ा मिला सी.आई.डी. सब इंस्पेक्टर का शव

जयपुर (कासं.)। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा में तैनात सब इंस्पेक्टर का शव कालवाड़ स्थित अन्धे खुद के घर में पड़ा मिला। जानकारी में सामने आया है कि मकान पंडा से लॉक था और नौकरानी ने खिड़की से झांक कर देखा तो एसआई बाथरूम में नग्न हालत में गिरि दिखाई दिए, इस पर उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची

और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांक्टिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने बताया कि राजस्थान पुलिस में एसआई धर्मेन्द्र यादव (50) की उनके ही घर में लाश मिली है। वह कालवाड़ इलाके स्थित सुरशां सिटी में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। एसआई धर्मेन्द्र यादव पुलिस,

मुख्यालय की सीआईडी शाखा में तैनात थे। पिछले दो दिनों से उनकी तबीयत खराब थी और उनकी पत्नी और बच्चे घर में शादी होने के कारण बीकानेर गए हुए थे। शुक्रवार को घर पर खाना बनाने के लिए नौकरानी आई। डोर बेल बजाने के बाद भी एसआई धर्मेन्द्र यादव ने गेट नहीं खोला। कुछ देर रुकने के बाद नौकरानी दूसरी जगह अपने काम पर चली गई।

